Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 30-08-2005

Participants : Pal Shri Raja Ram

Title : Regarding power shortage in the country.

श्री राजाराम पाल (बिल्हौर) : महोदय, आज पूरे देश में, सभी राज्य बिजली की समस्या से बड़े पैमाने पर ग्रस्त हैं। केन्द्रीय सरकार ने आज तक कोई ऐसी विद्युत नीति नहीं बनाई है जिससे कि वर्तमान व भविय में विद्युत की मांग के अनुरूप विद्युत का उत्पादन किया जा सके। योजना आयोग ने दसवीं पंचवर्षीय योजना में 41 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है, लेकिन भारत सरकार का विद्युत मंत्रालय आज की तिथि तक केवल 10 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन का ही लक्ष्य हासिल कर सका है।

MR. SPEAKER: I request the hon. Members, please do not talk amongst yourselves. You are all hon. Members of Parliament.

… (*Interruptions*)

श्री राजाराम पाल : अब तक साढ़े तीन वर्ा का समय बीत चुका है और बाकी बचे डेढ़ वर्षों में यह लक्ष्य पूरा हासिल किया जा सकेगा, यह काफी मुश्किल है।

महोदय, भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय में वर्तमान विद्युत सचिव के पद पर ....*.... जो कि आईएएस अधिकारी हैं, की नियुक्ति वर्ा 2002 में इसी लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से की गयी थी।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, अपनी बात संक्षेप में कहिए। यह भाण देने का समय नहीं है।

श्री राजाराम पाल : महोदय, आज सदन को यह जानकर अत्यंत आश्चर्य होगा कि ... * विद्युत सचिव भारत सरकार के हैं, लेकिन उनके द्वारा जो नीति और निर्देश तैयार किए जाते हैं वे निजी क्षेत्र के फायदे लिए ज्यादा और भारत सरकार के लिए कम फायदेमंद साबित होते हैं।

अध्यक्ष महोदय : आप को-आपरेट कीजिए। प्लीज, अपनी बात छोटी कीजिए। यह भाण देने का समय नहीं है।

* Not Recorded.

श्री राजाराम पाल : उन्होंने विद्युत कंपनी के लिए ही नहीं, सरकारी उपक्रमों की बेहतरी के लिए भी कोई काम नहीं किया है। हालत यह है कि पिछले कुछ वर्ों में बिजली कंपनियां नीलामी की कगार पर खड़ी हो जाएंगी।

महोदय, उन्होंने विद्युत सचिव, भारत सरकार के रूप में कार्य करते हुए एनएचपीसी में एक ऐसे व्यक्ति को अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए चयन किया है, जिसके बारे में भारत सरकार सर्वथा विवाद के घेरे में आ गयी है। उन्होंने एक ऐसे भ्रट अधिकारी के हाथों में इस उपक्रम की बागडोर सौंपने की सिफारिश की है।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आपने अपनी बात कह ली है। राजाराम जी, यह भााण देने का समय नहीं है।

श्री राजाराम पाल : मान्यवर, केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने उस चयनित व्यक्ति के खिलाफ संस्तुति की है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूँ कि उनके खिलाफ जांच कराई जाए और विद्युत सचिव जिस तरह से आयोग की संस्तुति को छिपाकर एक भ्रट अधिकारी की नियुक्ति करने की कोशिश कर रहे हैं, उसकी बिन्दुवार जांच करवाकर, विद्युत सचिव को तत्काल उनके पद से मुक्त कराया जाए। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार और माननीय प्रधानमंत्री जी से मांग करता हूँ कि इसकी जांच कराकर, उक्त सचिव के खिलाफ कार्यवाही की जाए। धन्य वाद।